RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 314
दि. 18.03.2026, बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

हेमवती नंदन बहुगुणा ने उत्तर प्रदेश के विकास को एक नयी ऊंचाई प्रदान की : योगी आदित्यनाथ

(जीएनएस)।

लखनऊ, 17 मार्च (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने इस राज्य के विकास को एक नयी ऊंचाई प्रदान की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां हेमवती नंदन बहुगुणा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद कहा, ह्यह्यहेमवती नंदन बहुगुणा ने स्वतंत्र भारत में एक जनप्रतिनिधि, प्रदेश सरकार में मंत्री, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के रूप में अनेक उल्लेखनीय कार्य किये। उन्होंने उत्तर प्रदेश के विकास को एक नयी ऊंचाई प्रदान की और प्रयागराज को एक नयी पहचान दी।

उन्होंने कहा, ह्यह्यआज हेमवती नंदन बहुगुणा भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके द्वारा प्रारंभ किया गया कार्य, उनके द्वारा जनप्रतिनिधि, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री के रूप में जो कुछ भी किया गया, वह समाज के प्रत्येक तबके, देश की समृद्धि और आम जन के कल्याण के लिए उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने कहा, हेमवती नंदन बहुगुणा का जन्म तत्कालीन उत्तर प्रदेश और वर्तमान में उत्तराखंड के पौड़ी जिले के एक छोटे-से गांव में हुआ था। प्रारंभिक शिक्षा गांव में अर्जित कर उन्होंने आगे की शिक्षा के लिए प्रयागराज की भूमि को चुना। वह आजादी की लड़ाई में छात्र नेता के रूप में शामिल हुए और सामाजिक जनजागरुकता और राष्ट्रीय चेतना को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने लगातार प्रयास किए। इस मौके पर योगी आदित्यनाथ के साथ उत्तर प्रदेश के

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, पूर्व सांसद और पूर्व मंत्री रीत बहुगुणा (हेमवती नंदन बहुगुणा की पुत्री) और पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री डॉ. अम्मार रिजवी समेत कई प्रमुख लोग मौजूद थे।

बहुगुणा का जन्म 25 अप्रैल 1919 को अविभाजित उत्तर प्रदेश के पौड़ी गढ़वाल में हुआ और 17 मार्च 1989 को उनका निधन हो गया। वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता रहे और बाद में लोक दल में शामिल हो गये। वह स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख योद्धा थे और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में उन्हें अंग्रेजी हुकूमत ने चार वर्षों तक जेल में रखा।

'ईरान के पास अब कुछ नहीं बचा', अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा- युद्ध लगभग खत्म, न्यूक्लियर खतरा टला

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान से जुड़ा सैन्य संघर्ष अब "काफी हद तक समाप्त" हो चुका है। उन्होंने इसे एक तेज और निर्णायक अभियान बताते हुए कहा कि अमेरिकी हमलों ने ईरान की रक्षा व्यवस्था को लगभग पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है और उसके परमाणु खतरे को निष्क्रिय कर दिया गया है।

ट्रंप के मुताबिक यह सैन्य कार्रवाई बेहद कम समय में पूरी हो गई। उन्होंने कहा कि ईरान के खिलाफ ऑपरेशन "दो या तीन दिनों में ही काफी हद तक समाप्त हो गया।" उनके अनुसार, यह अभियान पहले से तैयार रणनीति के तहत तेजी से अंजाम दिया गया।

नौसेना से वायु रक्षा तक सब तबाह

ट्रंप ने दावा किया कि सबसे पहले ईरान की नौसेना को "लगभग तुरंत खत्म कर दिया गया," जिसके बाद उसकी वायुसेना और विमान-रोधी प्रणालियों को निशाना बनाया गया।

उन्होंने कहा, "उनके पास न कोई रडार है, न एंटी-एयरक्राफ्ट सिस्टम- उनके पास अब कुछ भी नहीं बचा है।"

ईरानी हवाई क्षेत्र पर अमेरिकी नियंत्रण

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि अब अमेरिकी सेना ईरान के हवाई क्षेत्र में बिना किसी बाधा के उड़ान भर रही है। उनके मुताबिक, ईरान की रक्षा क्षमता इतनी कमजोर हो चुकी है कि वह आगे किसी बड़े हमले का जवाब देने की स्थिति में नहीं है।

बुनियादी ढांचे को पंगु बनाने की चेतावनी

ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा कि अमेरिका चाहे तो ईरान के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे-जैसे बिजली प्रणाली- को बहुत कम समय में नष्ट कर सकता है। उन्होंने कहा, "हम एक घंटे में उनकी बिजली क्षमता खत्म कर सकते हैं... उनके पास जवाब देने की क्षमता नहीं है।"

ट्रंप ने ईरान के तेल और शिपिंग सेक्टर को भी संभावित लक्ष्य बताया, लेकिन स्पष्ट किया कि इन्हें अभी तक निशाना नहीं बनाया गया है। उन्होंने कहा कि तेल पाइपलाइनों को नष्ट करने से पुनर्निर्माण में वर्षों लग सकते हैं, जिससे स्थिति और जटिल हो जाती।

परमाणु खतरे को किया निष्क्रिय

ट्रंप ने दावा किया कि इस सैन्य कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को रोकना था, जिसमें अमेरिका सफल रहा। उन्होंने चेतावनी दी, "अगर उन्हें परमाणु हथियार मिल जाता, तो वे 24 घंटे के भीतर उसका इस्तेमाल कर सकते थे।"

B-2 बमवर्षकों की भूमिका

ट्रंप ने B-2 स्पिरिट बमवर्षकों से किए गए हमलों को "शानदार और निर्णायक" बताया।

उनके अनुसार, इन हमलों ने युद्ध की दिशा बदल दी और संभावित बड़े क्षेत्रीय संघर्ष को रोक दिया।

संघर्ष के वैश्विक असर की आशंका

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की जाती, तो यह संघर्ष मध्य पूर्व से आगे बढ़कर यूरोप तक फैल सकता था। उन्होंने कहा, "यह सबको प्रभावित करता-शायद यूरोप तक पहुंच जाता।" ट्रंप ने यह भी कहा कि वे लंबे समय से ईरान को वैश्विक खतरा बताते रहे हैं। उन्होंने ईरान को "48 वर्षों से एक क्रूर और खतरनाक खिलाड़ी" करार दिया। उन्होंने खर्ग द्वीप जैसे महत्वपूर्ण ठिकानों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने पहले ही ऐसे लक्ष्यों पर कार्रवाई की जरूरत जताई थी।

एमएससीबी केस : 25,000 करोड़ केस में अजित पवार-सुनेत्रा पवार समेत सभी को क्लीन चिट, कोर्ट ने क्लोजर रिपोर्ट मानी

(जीएनएस)। महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक (MSCB) से जुड़े कथित 25,000 करोड़ रुपये के घोटाले में बड़ा फैसला सामने आया है। मुंबई की विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने आर्थिक अपराध शाखा (EOW) की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया है। साथ ही, इस मामले को बंद कर दिया है। इस फैसले के साथ ही राज्य के उपमुख्यमंत्री रहे दिवंगत अजित पवार सहित सुनेत्रा पवार और रोहित पवार को बड़ी राहत मिल गई है।

विशेष न्यायाधीश महेश के. जाधव ने अपने विस्तृत आदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि मामले में प्रस्तुत दस्तावेजों, गवाहों के बयानों और आधिकारिक रिपोर्टों से किसी भी तरह के आपराधिक षड्यंत्र या धोखाधड़ी के प्रमाण नहीं मिलते हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि बैंक के दिए ऋण और उनकी प्रक्रिया में कुछ अनियमितताएं हो सकती हैं, लेकिन इन्हें आपराधिक कृत्य नहीं माना जा सकता।

- यह मामला MSCB के तहत आने वाले 31 जिला सहकारी बैंकों से जुड़ा था, जिन्होंने कई चीनी मिलों को ऋण दिए थे।

- बाद में इन मिलों के डिफॉल्ट होने और उनकी नीलामी में कथित रूप से बैंक अधिकारियों के परिजनों को लाभ पहुंचाने के आरोप लगे थे।

- हालांकि, अदालत ने पाया कि इन प्रक्रियाओं में किसी भी प्रकार की आपराधिक मंशा साबित नहीं होती।

रोहित पवार की कंपनी बारामती एग्रो को भी राहत मिली है। कोर्ट ने कहा कि 2012 में कन्नड़ सहकारी चीनी मिल की नीलामी पूरी तरह से कानूनी प्रक्रिया के तहत हुई थी। साथ ही, यह भी माना गया कि खरीदार कंपनी की वित्तीय स्थिति स्वस्थ थी और उसने भुगतान की क्षमता दिखाई थी। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे समेत करीब 50 लोगों द्वारा दायर विरोध याचिकाओं को भी अदालत ने खारिज कर दिया।

पीएम मोदी के विरुद्ध विवादित टिप्पणी पड़ी महंगी, दिल्ली पुलिस ढूंढते हुए हिमाचल पहुंची; पूर्व BDC सदस्य को नोटिस

गगरेट (ऊना)। इंटरनेट मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबंध में अभद्र टिप्पणी करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने गगरेट क्षेत्र में दबिश दी। आरोप है कि गगरेट क्षेत्र के अनिल डढवाल ने इंटरनेट मीडिया पर प्रधानमंत्री से जुड़ा एक कार्टून साझा कर विवादित शब्द लिखे थे। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 25 फरवरी को एफआइआर नंबर 54/2026 के तहत धारा 336 (4), 353 (2) व 356 बीएनएस तहत मामला दर्ज किया था।

आरोपित बीडीसी सदस्य कांग्रेस समर्थित बताया जा रहा है। गत दिवस देर शाम दिल्ली पुलिस की एक टीम मामले की जांच के लिए गगरेट पहुंची।

पीएम मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति को लगाया फोन, जानें क्या-क्या हुई बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से फोन पर बात की. उन्होंने पश्चिम एशिया की स्थिति, यूएई पर हमलों और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की सुरक्षा पर चर्चा की.

(जीएनएस)।

मिडिल ईस्ट में जंग के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ फोन पर बातचीत की है. दोनों शीर्ष नेताओं के बीच पश्चिम एशिया के मौजूदा तनावपूर्ण हालात, यूएई पर हुए हालिया हमलों और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की सुरक्षा जैसे कई गंभीर मुद्दों पर विस्तार से बात हुई. प्रधानमंत्री मोदी ने खुद एक्स पर इसकी जानकारी शेयर की है.

पीएम मोदी ने लिखा, यूएई के राष्ट्रपति, मेरे भाई महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से बात की और उन्हें ईद की अग्रिम शुभकामनाएं दीं. हमने पश्चिम एशिया की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की. यूएई पर हुए उन सभी हमलों की भारत की ओर से कड़ी निंदा को दोहराया, जिनके परिणामस्वरूप निर्दोष लोगों

की जान गई है और नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है. हम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के माध्यम से सुरक्षित और स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित करने के महत्व पर सहमत हुए. हम क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की जल्द बहाली के लिए एक साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे.

यूएई पर हमलों की निंदा

साफ है कि फोन कॉल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूएई पर हुए उन सभी हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की, जिनके कारण निर्दोष नागरिकों की जान गई है और वहां के सिविलियन इंफ्रास्ट्रक्चर को भारी नुकसान पहुंचा है. भारत ने वैश्विक मंचों पर हमेशा आतंकवाद और किसी भी संप्रभु राष्ट्र पर होने वाले अकारण हमलों का मुखर विरोध किया है. प्रधानमंत्री ने अपने इसी स्पष्ट रुख को दोहराते हुए यूएई के राष्ट्रपति को आश्वस्त किया कि क्षेत्रीय अस्थिरता और हिंसा के खिलाफ लड़ाई में भारत पूरी मजबूती के साथ संयुक्त अरब अमीरात के साथ खड़ा है. निर्दोष लोगों की जान जाना और आम नागरिकों के इस्तेमाल वाली जगहों को निशाना बनाना किसी भी लिहाज से स्वीकार्य नहीं है, और भारत इस तरह के अमानवीय हिंसक कृत्यों की कड़ी भर्त्सना करता है.

राष्ट्रपति ने अक्षय पात्र फाउंडेशन के पांच बिलियन भोजन वितरण के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया

हमारे बच्चों को पौष्टिक भोजन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त होना अत्यंत आवश्यक है: राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (17 मार्च, 2026) राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में अक्षय पात्र फाउंडेशन के पांच बिलियन भोजन वितरण के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया।

राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि शैक्षिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए पांच बिलियन भोजन परोसना अक्षय पात्र फाउंडेशन की उल्लेखनीय उपलब्धि है। इस कार्यक्रम की थीम, 'सुपोषित और शिक्षित भारत से विकसित भारत की ओर', वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण के हमारे राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने में सुपोषित और शिक्षित समाज के महत्व को रेखांकित करती है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे बच्चों के लिए एक सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य केवल सरकार का उत्तरदायित्व नहीं है, बल्कि हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। जब शिक्षक, माता-पिता, सामाजिक संगठन, कॉर्पोरेट जगत और समाज के सभी वर्ग मिलकर काम करते हैं, तभी हम आने वाली पीढ़ी के लिए एक मजबूत नींव रख सकते हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पौष्टिक भोजन, अच्छा स्वास्थ्य और स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिले। ये मूलभूत तत्व बच्चों के सर्वांगीण विकास को संभव बनाते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा वह साधन है जो किसी व्यक्ति के जीवन में उपलब्ध अवसरों को निर्धारित करती है और उसकी सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। यह परिवर्तन और सशक्तिकरण का एक प्रभावी माध्यम है। सशक्तिकरण और क्षमता निर्माण की प्रक्रिया बच्चों के स्कूल जाना आरम्भ करने के क्षण से ही आकार लेना शुरू कर देती है। स्कूल बच्चों को दैनिक जीवन की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने और जिम्मेदार, कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनने के लिए आवश्यक कौशल और अनुभव प्रदान करता है। उन्होंने अक्षय पात्र फाउंडेशन की सराहना की, जो पिछले 25 वर्षों से स्कूलों में मध्याह्न भोजन पहुंचाकर बच्चों में कुपोषण की समस्या का समाधान करने और उन्हें शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे बच्चे, जो राष्ट्र का भविष्य हैं, उनके लिए पौष्टिक भोजन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुगम उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। भारत सरकार ने गर्भवती माताओं और बच्चों को पर्याप्त पोषण और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से अनेक महत्वपूर्ण पहल की हैं।

पूरे देश में सड़कों पर नमाज पढ़ेंगे, कौन है हैदराबाद के सैय्यद अयूब, जिसने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को खुली चुनौती दी

हैदराबाद के मुस्लिम स्कॉलर सैय्यद अयूब ने सीएम योगी आदित्यनाथ को खुली चुनौती दी है। उन्होंने एक वीडियो जारी करते हुए कहा कि ईद पर संभल ही नहीं पूरे देश में रोड पर नमाज अदा की जाएगी। उन्होंने योगी आदित्यनाथ पर अभद्र टिप्पणी भी की।

(जीएनएस)।

हैदराबादः हैदराबाद के मुस्लिम स्कॉलर सैय्यद अयूब ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक वीडियो के माध्यम से खुली चुनौती दी है। उन्होंने वीडियो में कहा कि ईद पर संभल ही नहीं पूरे देश में रोड पर नमाज अदा की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी की हिम्मत है तो मुसलमानों को रोक कर दिखाए। उन्होंने सीएम योगी के खिलाफ अभद्र शब्दों का भी इस्तेमाल किया। बता दें कि सैय्यद अयूब खुद को एनजीओ 'हैदराबाद यूथ करेज' का आयोजक बताते हैं और उनके इंस्टाग्राम पर करीब 20 लाख फॉलोअर्स हैं। उसने 15 मार्च को अपने अकाउंट से यह वीडियो पोस्ट किया था।

'संभल ही नहीं पूरे देश में रोड पर नमाज'

सैय्यद अयूब ने अपने वीडियो में कहा कि न केवल संभल में, बल्कि पूरे देश में सड़कों पर नमाज पढ़ी जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि अगर ईद की जमातें बड़ी होती हैं, तो मुसलमान बाहर निकलकर सड़कों पर नमाज पढ़ेंगे। उन्होंने पुलिस के उन अधिकारियों को भी चुनौती दी, जिन्होंने सार्वजनिक सड़कों पर नमाज पढ़ने के खिलाफ चेतावनी दी थी। उन्होंने वीडियो में कहा कि अगर किसी को लगता है कि वे मुसलमानों को सड़क पर नमाज पढ़ने से रोक सकते हैं, तो वे कोशिश करके देख लें। उन्होंने आगे कहा कि मुसलमान केस या जेल की धमकियों से डरने वाला नहीं है।

सैयद अयूब ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के खिलाफ भी अभद्र टिप्पणी की और योगी सरकार की आलोचना करते हुए उन पर मुसलमानों पर बेवजह पाबंदियां लगाने का आरोप लगाया। सैयद अयूब की यह टिप्पणी अब सोशल मीडिया पर वायरल है।

जानिए क्या है पूरा मामला

सैय्यद अयूब ने कहा- ईद पर संभल ही नहीं पूरे देश में रोड पर नमाज अदा की जाएगी

मुस्लिम स्कॉलर सैय्यद अयूब का यह वीडियो ऐसे समय में सामने आया है, जब संभल प्रशासन ने ईद और जुमे की नमाज को लेकर पहले ही सख्त चेतावनी जारी की है।

संभल के पुलिस अधिकारी कुलदीप कुमार ने 12 मार्च को एक शांति समिति की बैठक बुलाई थी, जिसमें यह साफ किया था कि सार्वजनिक सड़कों पर नमाज की अनुमति नहीं होगी।

'सड़कों पर नमाज पढ़ने वालों पर कार्रवाई'

पुलिस अधिकारी ने कहा था कि जो लोग मस्जिदों के बाहर सार्वजनिक सड़कों पर नमाज पढ़ते पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इलाके में शांति बनाए रखने के संबंध में एक व्यापक टिप्पणी भी की थी। उन्होंने कहा कि यदि लोग दुनिया के विभिन्न हिस्सों में घटित हो रही घटनाओं से भावनात्मक रूप से जुड़े हैं, तो वे उन स्थानों पर जाने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन भारत में अशांति पैदा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सम्पादकीय

युद्ध के लम्बे चलते रहने की संभावना

ईंरान–अमेरिका व इजरायल का युद्ध 28 फरवरी को ईंरान पर हमले से शुरू हुआ था। अमेरिका–इजरायल को उम्मीद थी कि यह युद्ध चंद दिन चलेगा और ईंरान अपने घुटनों पर आ जाएगा। उन्हें यह अंदाजा नहीं था कि ईंरान इतना जवाबी हमला करेगा और यह युद्ध इतना लम्बा खिचेगा। ईंरान अमेरिका–इजरायल को मुंह तोड़ जवाब दे रहा है। ईंरान के नए सुप्रीम अयातुल्लाह मोजतबा खामेनेईं ने अपने पहले संदेश में ही स्पष्ट कर दिया कि ईंरान झुकने वाला नहीं है। खामेनेईं का पहला संदेश ईंरानी टीवी पर प्रासारित करते हुए एंकर ने पढ़कर सुनाया। खामेनेईं ने संदेश में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की नाकाबंदी जारी रखने और मिनाब स्वूल के बच्चों सहित शहीद हुए लोगों के खून का बदला लेने पर जोर दिया। अमेरिका और इजरायल के ईंरान के साथ चल रहे युद्ध का जिव्र करते हुए खामेनेईं ने लगातार हमले जारी रखने का आ'ान करते हुए आगे कहा कि अन्य मोर्चो को खोलने पर भी विचार किया जा रहा है। इसके अलावा उन्होंने यमन में ईंरान के सहयोगियों, लेबनान में हिजबुल्लाह और इराक में रेजिस्टेंस की तारीफ की है। खामेनेईं का यह संदेश उनके स्वास्थ्य और शारीरिक स्थिति को लेकर चल रही अटकलों के बीच आया है। उधर अमेरिका ने ईंरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेईं और उनसे जुड़े कईं वरिष्ठ अधिकारियों के बारे में जानकारी देने पर बड़ा इनाम घोषित किया है। अमेरिकी विदेश विभाग के रिकार्डस फॉर जस्टिस के तहत इन लोगों के बारे में ठोस जानकारी देने वालों को अधिकतम एक करोड़ डॉलर तक का ईंनाम दिया जा सकता है। यह कदम ईंरान की सैन्य और सुरक्षा संरचना से जुड़े नेटवर्व पर दबाव बढ़ाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईंरान के नेताओं को मारना सम्मान की बात है। उन्होंने शुव्रवार को कहा, हम ईंरान के आतंकवादी शासन को सैन्य, आर्थिक और अन्य रूप से पूरी तरह नष्ट कर रहे हैं। वे 47 वर्षो से निदरेषों को मार रहे हैं और अब मैं उन्हें मार रहा हूं। ऐसा करना सम्मान की बात है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने उधर दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ईंरान के खार्ग आइलैंड पर बड़े हमले किए और सैन्य ठिकानों को तबाह कर दिया। ट्रंप ने दावा किया कि यह अमेरिका– इजरायल का ईंरान पर अब तक का सबसे बड़ा हमला है। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिका ने ईंरान के इस रणनीतिक द्वीप पर बड़े हवाई हमले में सैन्य ठिकानों को पूरी तरह तबाह कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि ईंरान अब बुरी तरह कमजोर हो चुका है और समझौता चाहता है, लेकिन ऐसा समझौता नहीं होगा जिसे वह स्वीकार करे। साथ ही ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही रोकने की कोशिश हुईं तो अमेरिका तेल ढांचे पर हमला करने का पैसला भी बदल सकता है। अफवाहें तो यह भी है कि ट्रंप अब अमेरिकी थल सेना को भी ईंरान में उतारने का प्रायास कर रहे हैं। बता दें कि खार्ग आइलैंड से ईंधन का बहुत बड़ा हिस्सा दूसरे देशों पर थोपा जाता है।

अमेरिका अपनी मरीन कार्प के जरिए खार्ग आइलैंड पर जबरन कब्जा करने की योजना बना रहा है। खबर तो यह भी है कि इसकी पूर्ति के लिए अमेरिका ने 2500 मरीन ईंरान की तरफ रवाना भी कर दिए हैं। उधर ईंरान ने भी अपने हमले तेज कर दिए हैं। लेबनान में हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजरायल पर ताबड़तोड़ हमले शुरू कर दिए हैं और इजरायल ने भी जबरदस्त जवाबी कार्रवाईं की है। इजरायली विमानों ने लेबनान में भारी तबाही मचाईं है। इस बढ़ती जंग से वैश्विक तेल बाजार को भी लेकर चिता बढ़ गईं है। ऊर्जा विशेषज्ञों का कहना है कि भले तेल सुविधाओं को सीधा निशाना नहीं बनाया गया हो, लेकिन सैन्य हमलों का असर निर्यात व्यवस्था पर पड़ सकता है। युद्ध लंबा खिचने की आशंका ने खाड़ी क्षेत्रों में तो बेचैनी बढ़ाईं ही है साथ ही पूरे

मुख्यमंत्री योगी से भी समझदार निकले सीएम फडणवीस लव जिहाद पर ऐसा कानून लाए कि...

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस धर्म स्वतंत्रता बिल को लेकर चर्चा में हैं. ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या सीएम योगी से भी ज्यादा समझदार हैं सीएम फडणवीस?

महाराष्ट्र सरकार हाल ही में राज्य में धर्म स्वतंत्रता बिल लेकर आई है. इस बिल में जबरन धर्मांतरण कराकर शादी करने पर 7 साल की जेल का प्रावधान है. इस बिल को लेकर अब विरोध शुरू हो गया है. ऐसे में अब इस बिल पर सवाल खड़े हो रहे हैं कि क्या सीएम योगी से भी ज्यादा कट्टर निकले सीएम फडणवीस?

धर्मांतरण और लव जिहाद जैसे मुद्दों पर नया कानून लाने वाले राज्यों में एक नया राज्य महाराष्ट्र भी शामिल हो गया है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र सरकार ने जो नया कानून प्रस्तावित किया है वो कानून उत्तर प्रदेश में बनाए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ या उत्तराखंड में बनाए पुष्कर सिंह धामी या फिर गुजरात के कानून में भी ज्यादा सख्त है.

इसमें ऐसे प्रावधान किए गए हैं कि अब जबरन धर्मांतरण करवाने वालों और लव जिहाद करने वालों की खैर नहीं है. इस बिल में महिलाओं–बच्चों को असीमित अधिकार दिए गए हैं और आरोपियों को कम से कम 10 साल की सजा का प्रावधान है.

महाराष्ट्र सरकार ने पेश किया बिल

महाराष्ट्र सरकार ने विधानसभा में पेश कानून बेहद सख्त हैं. महाराष्ट्र के डीजीपी के नेतृत्व में सात लोगों की एक कमिटी ने मिलकर जो कानून प्रस्तावित किया है उसमें– अवैध धर्मांतरण में लालच, जबरदस्ती, धोखाधड़ी, बल प्रयोग, गलत बयानी, धमकी या अनुचित प्रभाव के जरिए करवाया गया धर्मांतरण तो शामिल है ही, शिक्षा के जरिए ब्रेनवाशिंग से भी करवाए गए धर्मांतरण को अवैध ठहराया गया है.

साथ ही एक ही वक्त में दो या दो से अधिक व्यक्तियों का जबरन धर्मांतरण अवैध है. उपहार, नकदी,

रोजगार, धार्मिक संस्थानों में मुफ्त शिक्षा, शादी का वादा, बेहतर जीवनशैली और 'दैवीय उपचार' के बहाने धर्मांतरण को अवैध ठहराया गया है.

वहीं मनोवैज्ञानिक दबाव, शारीरिक बल, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की धमकी, या दैवीय नाराजगी का डर दिखाकर या फिर सामाजिक बहिष्कार की धमकी देकर धर्मांतरण को अवैध ठहराया गया है.

अवैध धर्मांतरण की शादी को कोर्ट कर सकता है अवैध घोषित

अवैध धर्मांतरण के उद्देश्य से की गई किसी भी शादी को अदालत की ओर से ल्ल४''ल्ल५ङ्क घोषित करने का प्रावधान रखा गया है. कानून कहता है कि अवैध धर्मांतरण से पैदा हुआ बच्चा अपनी मां के उस धर्म का माना जाएगा, जो धर्म मां का शादी से पहले था. वहीं यह कानून कहता है कि बच्चा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 144 के तहत भरण–पोषण का हकदार होगा और कस्टडी मां के पास रहेगी.

वैध धर्मांतरण की प्रक्रिया का भी उल्लेख

इस कानून में वैध धर्मांतरण की भी प्रक्रिया का भी उल्लेख है. अगर कोई व्यक्ति खुद ही इच्छा से धर्म परिवर्तन करना चाहता है, तो उसे एक निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा. उसे धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्ति या संस्था को जिला मजिस्ट्रेट को 60 दिन पहले सूचना देनी होगी. साथ ही अधिकारी इस सूचना को सार्वजनिक बोर्ड पर लगाएंगे और 30 दिनों के भीतर आपत्तियां आमंत्रित करेंगे.

ऐसे में आपत्ति मिलने पर पुलिस जांच की जाएगी. धर्मांतरण के 21 दिनों के अंदर जिला मजिस्ट्रेट को एक घोषणा पत्र सौंपना होगा. इसमें अगर घोषणा पत्र नहीं दिया तो धर्मांतरण अवैध माना जाएगा. साथ ही धर्मांतरण करवाने वाले की ये जिम्मेदारी होगी कि वो साबित कर पाए कि वो जो धर्मांतरण करवा रहा है, वो स्वेच्छा से हो रहा है. अगर कोई अवैध धर्मांतरण करने का दोषी पाया जाता है, तो कानून में उसकी सजा का भी निर्धारण किया गया है.

आखिर कानून क्या कहता है?

प्रस्तावित कानून कहता है कि पीड़ित व्यक्ति, माता–पिता, भाई–बहन, जिनसे खून का रिश्ता हो या फिर जिन रिश्तेदारों ने गोद लिया हो, वो शिकायत दर्ज करवा सकते हैं. इस प्रस्तावित कानून में पुलिस अधिकारी को भी ताकत दी गई है कि अगर उसे लगता है कि कानून का उल्लंघन हो रहा है, तो वो स्वतः संज्ञान लेकर मामला दर्ज कर सकता है.

इसमें सामान्य अवैध धर्मांतरण के मामले में प्रस्तावित कानून में 7 साल की जेल और 1 लाख रुपये का जुमार्ना प्रस्तावित है. वहीं अगर धर्मांतरण नाबालिग, महिला, और रउ/रळ का हुआ है और अवैध है तो जुमार्ना 5 लाख रुपये प्रस्तावित है. इसके अलावा सामूहिक धर्मांतरण पर 7 साल की जेल और 5 लाख रुपये का जुमार्ना लगेगा और दोबारा अपराध करने पर 10 साल की जेल और 7 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया जा सकता है.

दूसरे राज्यों से अलग है सीएम फडणवीस का यह बिल

अकबरपुर में भारतीय मछुआ महासंघ के जनपदीय प्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित

भानमती उत्सव मैरेजलान अकबरपुर में भारतीय मछुआ महासंघ के जनपदीय प्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व कैबिनेट मंत्री सांसद शंखलाल माझी जी ने समाज के महापुरुष निषादराज गुह व महर्षि कश्यप के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आए हुए प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए श्रीमाझी ने कहा कि आज हमारा समाज आर्थिक, शैक्षिक व सामाजिक स्तर पर पिछड़ने का ऐतिहासिक कारण है, हमारे समाज का शानदार गौरवशाली व समृद्धशाली इतिहास रहा है। आदि कालीन सनातन काल से हमारे ही पुरखे सृष्टि रचियता महर्षि कश्यप महाराज रहे वहीं श्रुति परंपरा को तोड़ते हुए चार वेद छः शास्त्र अठारह पुराण एक सौ अठारह स्कंध लिपिवध्ध कर सामाजिक आचार विचार संस्कार का ज्ञान देने वाले द्वैपायन वेदव्यास जी महाराज हमारे ही पुरखे रहे इतना ही नहीं सिंधु घाटी की

महान सभ्यता कुछ और नहीं हमारा ही निषाद संस्कृति का ही देन है। हमारे पुरखे ही उसके संस्थापक व आर्किटेक्चरर रहे। कालांतर में सदियों से ही हमारे वैभव संपन्नता को तमाम विदेशी आक्रमणकारियों से

लड़ने का हमारा पुराना इतिहास रहा है वीर एकलव्य जैसे धुरंधर हुए हैं तो राजा बलि,राजा नल राजा हिरण्य कश्यप व श्रृंग्वेरपुर के राजा निषादराज गुह्य महाराज रहे हैं। किन्तु यूरेशियाई आक्रमणकारियों द्वारा छलकपट के सहारे पीठपीछे वार कर हमारा साम्राज्य छीन कर हमारा इतिहास सदियों से दबाया,मिटाया गया। बड़ी चालाकी से हमारे समाज को सैकड़ों जाति/ उपजातियों में बांट, हमें तीतर – बीतर करने का षडयंत्र सदियों पूर्व से होता रहा है। अंततः अंग्रेजी ब्रितानिया हुकूमत का बगावत करते हुए वीर तिलका माझी जिसने गोरिल्ला युद्ध कर अंग्रेजों का छक्का छुड़ाया था,वहीं आगरा अवध प्रांत की लड़ाई में कानपुर के समाधान निषाद लोचन निषाद की अगुवाई में पांच सौ अंग्रेजी पलटन को गंगा पार करते समय डुबोकर मार डालने से कुपित अंग्रेजों ने (अठारहवीं सदी में) सत्तीचौरा में बरगद के पेड़ पर एक सौ सड़सठ मछुआरों को फांसी पर लटकाते हुए सम्पूर्ण मछुआरा समाज को क्रिमिनल कास्ट (अपराधी जाति) घोषित कर हमारा जल जंगल संपत्ति जब्त कर बेइंतहा जुल्म से आजिज समाज को जंगलों में छुपकर वनवासी,आदिवासी पहाड़ोंवासी जीवन यापन को मजबूर होना पडा। इस प्रकार हम आर्थिक सामाजिक शैक्षिक स्तर पर पिछड़ गए हमारा शानदार इतिहास छिपाया दबाया गया है। देश आजादी के बाद जिस प्रकार वैदिक काल के हमारे महापुरुषों का कुछ लोग अपना पुरखा बताते हैं ठीक उसी प्रकार वर्तमान संविधान के रचयिता बाबा साहब भीमराव (महार) को अंबेडकर के नाम से सम्मान देने वालों ने अपना लिया है।संविधान रचयिता ने आर्थिक शैक्षिक सामाजिक पिछड़ों को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए आरक्षण का सुविधा दिया है। उत्तर प्रदेश में हमारी जातियों को 1950 की सूची में दर्ज किया गया किंतु हमारे पुकारु जातियों/ उपजातियों को 1930 की जनगणना के अनुसार परिभाषित न होने के कारण माझी,मुजाविर, केवट, मल्लाह, कहार, कश्यप, बिंद, वियार, धीवर, बाथम, तुरैहा, रायकवार गोड़िया, महरा, मेहरा आरक्षण के लाभ से वंचित हैं सपा सरकार में माननीय अखिलेश यादव जी की सरकार में मौका मिला तो हमने निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के डबल एजी0 से लीगल ओपिनियन (कानूनी राय) लेकर उपरोक्त वंचित उपजातियों को 1930 की जनगणना रिपोर्ट के अनुसार मझवार,गौड़, तुरैहा,बेलदार व शिल्पकार को परिभाषित करते हुए आरक्षण के लाभ का सुविधा दिलाने का जारी शासनादेश तथाकथित अंबेडकर फाउंडेशन व अन्य द्वारा,योजित याचिका में हाईकोर्ट के स्थगन आदेश का अनुपालन बीजेपी की योगी सरकार मात्र 3 दिन में ही कराते हुए आदेश जारी करा दिया,किंतु 3 माह बाद स्थगन आदेश खारिज कर 22 दिसंबर 2016 के शासनादेश को हाईकोर्ट के अनुपालन ऑदेश दो साल 3 महीना तक ठंडे बस्ते में डाले रहे। कोर्ट द्वारा सरकार के खिलाफ कंटेंम्पट नोटिस जारी होने पर आनन–फानन में मछुआरा समाज के साथ धोखा करते हुए जानबूझकर आर्टिकल 341–42 का वायलेशन करते हुए उपरोक्त वंचित जातियों को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल करने का नया शासनादेश वर्ष 2019 में जारी करते हुए अपने आदमी से कोर्ट में चैलेंज कराते हुए स्थगन आदेश अंततः खारिज कराने का षडयंत्र वर्तमान सरकार द्वारा कराया गया। मछुआरों को रोजी–रोटी से जोड़ने व कृषि की भांति सुविधा प्रदान करने हेतु मत्स्य पालन को कृषि का दर्जा दिलाए जाने विषयक वर्ष 2014में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा शासनादेश जारी कर विशेष सुविधा दिलाने का विस्तृत अध्ययन कर मत्स्य विभाग द्वारा अलग से शासनादेश जारी करने हेतु अधिकृत अधिकार दिया गया था,किन्तु भाजपा सरकार आने के कारण पिछले 9–10 साल से उक्त शासनादेश को भाजपा सरकार में तथाकथित गाड फादर ऑफ फिसरमैन मत्स्य मंत्री के विभाग द्वारा कृषि समान सुविधा देने के बजाय वर्तमान राजस्व संहिता निमावली के प्रस्तर 57 व 58 के उपधाराओं के तहत संवैधानिक अनुच्छेद का लाभ दिलाने के बजाय विभागीय निदेशक द्वारा निर्देश जारी कर पट्टा न देकर नीलामी प्रथा से अधिकतम बोली करवा मछुआरा को आपसी संघर्ष व वैमनसता को बढ़ावा दिया जा रहा है, जबकि पूर्व सरकार में 1995 में जारी शासनादेश को सुप्रीम कोर्ट के द्वारा कानूनी मान्यता देते हुए पट्टा प्रणाली से गरीब मछुआरों की सुविधा बहाल किया जा चुका है। आरक्षण हमारा संवैधानिक अधिकार है। मत्स्य पालन पट्टा सुविधा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संरक्षित है। बालू मोरंग का पट्टा (बिना सरकार के राजस्व घाटा) के संविधान की धाराओं द्वारा कल्याणकारी सरकार को देने का अधिकार है किन्तु केंद्र व प्रदेश की मछुआ विरोधी सरकार सुविधा देने के बजाय डबल इकोनॉमी बढ़ाने को प्राथमिकता देते हुए हम मछुआरों का शोषण कराया जा रहा है। इन तमाम बातों पर रोशनी डालते हुए अपने हक व अधिकार लेने के लिए समाज को उठने,जागने,संगठित हो संघर्ष करने का आ'ान किया। सम्मेलन में उपस्थित जनप्रतिनिधियों की आम सहमति से जनपद अंबेडकर नगर इकाई के जिलाध्यक्ष, महासचिव,उपाध्यक्ष,कोषाध्यक्ष, जिला सचिव व जिले के 90 क्रियाशील सदस्यों का चयन किया गया । अनिल निषाद, उमाशंकर निषाद,कमल नारायण निषाद,कमलेश निषाद,कैलाश माझी,चंद्रभान निषाद,संजीव गौड़,राम उजागिर निषाद,अशोक निषाद आदि शामिल रहे। कार्यक्रम को केंद्रीय गवर्निंग काउंसिल के कोषाध्यक्ष अंकुर माझी व महेन्द्र निषाद एडवोकेट व रामसंवारे धुरिया,रामजगत निषाद,ओमप्रकाश निषाद, जिलाध्यक्ष अनिल निषाद आदि ने संबोधित किया तथा रामप्यारे निषाद ने कार्यक्रम की

एथर एनर्जी का सर्विस नेटवर्क एक साल में बढ़कर दोगुना हुआ, भारत में हुए 500 सेंटर

लखनऊ, 17 मार्च, 2026ः भारत के प्रमुख इलेक्ट्रिक स्कूटर निमार्ता, एथर एनर्जी लिमिटेड का सर्विस नेटवर्क भारत में 500 अधिकृत सेंटर्स तक पहुँच चुका है। साथ ही कंपनी का रिटेल फुटप्रिंट भी बढ़ता जा रहा है। एथर ने शुरू से ही उन सभी शहरों में सर्विस सपोर्ट देने पर अपना ध्यान केंद्रित किया है, जहाँ कंपनी अपने स्कूटर बेचती है। इससे विभिन्न शहरों में एथर राईडर्स को इलेक्ट्रिक स्कूटर के स्वामित्व का एक सुगम और सुविधाजनक अनुभव प्रदान करने की कंपनी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है।

अपने सर्विस नेटवर्क का विस्तार करने के अलावा, एथर द्वारा लगातार सर्विस क्वालिटी, एफिशियंसी और ग्राहक अनुभव बेहतर बनाने में निवेश किया जा रहा है। एथर के गोल्ड सर्विस सेंटर्स में आधुनिक कस्टमर लाउंज, एडवांस्ड सर्विस ईक्विपमेंट और व्यवस्थित प्रक्रियाएं हैं, जो पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ाती हैं। स्टैंडर्ड सर्विस के अलावा, एथर की एक्सप्रेस केयर सर्विस 60 मिनट में पीरियडिक मेंटेनेंस सर्विस प्रदान करती है। यह सर्विस 82 सेंटर्स पर उपलब्ध है, जिससे ग्राहकों को क्वालिटी से समझौता किए बिना रूटीन मेंटेनेंस बहुत तेजी और सुविधाजनक तरीके से प्राप्त होती है। वित्तवर्ष 2026 में एथर एनर्जी का सर्विस नेटवर्क बढ़कर लगभग दोगुना हो गया है। एथर ने अपने सर्विस फुटप्रिंट बढ़ाते हुए अपने

सर्विस सेंटर्स की संख्या को 277 से बढ़ाकर 500 तक पहुँचा दिया है। इन अभियानों से हर टचपॉईंट पर सर्विस एक्सपीरियंस बेहतर बनाने की एथर की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है।

एथर एनर्जी के चीफ बिजनेस ऑफिसर, रवनीत सिंह फोकेला ने कहा, ह्यह्यपूरे देश में अपने रिटेल फुटप्रिंट और कस्टमर बेस बढ़ाते हुए 500 सर्विस सेंटर्स तक पहुँचना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण माईलस्टोन है। हमने शुरू से ही सेल्स के साथ सर्विस कैपेसिटी बढ़ाने पर अपना ध्यान केंद्रित किया है क्योंकि इलेक्ट्रिक स्कूटर के स्वामित्व के अनुभव में विश्वसनीय आफ्टर–सेल्स सपोर्ट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अपने बढ़ते कदमों के साथ एक मजबूत सर्विस नेटवर्क बनाना हमारे लिए बहुत जरूरी है। हम यह सुनिश्चित करने पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं कि राईडर्स को प्रशिक्षित तकनीशियन, पारदर्शी प्रक्रियाओं और स्थिर सर्विस क्वालिटी की सुविधा वहीं पर मिल सके, जहाँ वो रहते हैं।

एथर के सर्विस सेंटर्स का विस्तार एथर स्कूटर की जबरदस्त मांग के बीच किया गया है, जिनमें एथर 450 परफॉर्मेंस लाईन और रिज्टा फैमिली स्कूटर शामिल हैं। इससे नए ग्राहक सेगमेंट और बाजारों में कंपनी की पहुँच बढ़ी है। रिटेल के साथ–साथ अपने सर्विस नेटवर्क का विस्तार करके एथर का उद्देश्य टियर 1, टियर 2 और उभरते हुए शहरों में समय पर भरोसेमंद सर्विस सपोर्ट प्रदान करना है। यह वित्तवर्ष 2026 तक 700 एक्सपीरियंस सेंटर तक विस्तार करने की एथर की योजना का हिस्सा है। 31 दिसंबर, 2025 तक एथर के पास देश में 600 एक्सपीरियंस सेंटर थे।

कंपनी अपने सर्विस नेटवर्क के विस्तार के साथ भारत में इलेक्ट्रिक स्कूटर के परिवेश को लगातार मजबूत भी कर रही है। देश के सबसे बड़े टू–व्हीलर फास्ट–चार्जिंग नेटवर्क, एथर ग्रिड के अंतर्गत विश्व में 4,357 से अधिक फास्ट चार्जिंग पॉईंट और नेबरहुड पॉईंट (31 दिसंबर, 2025 तक) हैं, ताकि राईडर्स को सुविधाजनक चार्जिंग एवं विस्तृत सपोर्ट मिल सके।

एचडीएफसी बैंक ने 'स्माइल फाउंडेशन' के साथ मिलकर बरेली में 'परिवर्तन स्किलिंग सेंटर' शुरू किया

बरेली,ः भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने 'स्माइल फाउंडेशन' के सहयोग से अपने सीएसआर कार्यक्रम 'परिवर्तन' के तहत उत्तर प्रदेश के बरेली में अपने 'परिवर्तन स्किलिंग सेंटर' को शुरू करने की घोषणा की है।यह स्किलिंग सेंटर 30 महीनों की अवधि में वंचित समुदायों के 850 युवाओं को ट्रेनिंग देगा, जिसमें बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा (बीएफएसआई) और रिटेल सेक्टर पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस पहल को स्माइल फाउंडेशन के 'स्किलिंग और रोजगार क्षमता' कार्यक्रम के तहत लागू किया जाएगा। इस कार्यक्रम को आर्थिक और

सामाजिक रूप से पिछड़े समुदायों के युवाओं के लिए ट्रेनिंग से लेकर स्थायी रोजगार तक पहुँचने के व्यवस्थित रास्ते बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।उत्तर प्रदेश भारत की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले राज्यों में से एक है, जहाँ 18 से 30 साल के ग्रेजुएट और स्कूल छोड़ने वाले युवाओं का एक बड़ा हिस्सा कौशल–आधारित रोजगार की तलाश में है। यह केंद्र प्रशिक्षण को उद्योग की जरूरतों के हिसाब से ढालकर, आकांक्षा और अवसर के बीच के अंतर को दूर करता है। यह युवाओं को औपचारिक क्षेत्र की भूमिकाओं के लिए तैयार करता है, जिससे उन्हें बड़े शहरों (मेट्रो सिटी) में पलायन करने की जरूरत कम हो जाती है।एक व्यवस्थित, बहु–वर्षीय सुविधा के रूप में परिकल्पित, इस केंद्र का प्रबंधन शुरू से अंत तक 'स्माइल फाउंडेशन' द्वारा किया जाएगा। इसमें प्रशिक्षण देना, संचालन और नौकरी मिलने के

बाथम वैश्य सभा लखनऊ का होली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन

लखनऊ– बाथम वैश्य सभा लखनऊ द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह माधव सभागार, लखनऊ में उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज के अनेक सदस्यों, महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने परिवार सहित भाग लिया और एक–दूसरे को अबीर–गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। पूरे सभागार में रंग, उमंग और आपसी सौहार्द का माहौल देखने को मिला। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि हरसरन लाल गुप्ता (चेयरमैन राजधानी नगर सहकारी बैंक) द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार ही नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता का प्रतीक भी है। इस अवसर पर सभा के संरक्षक रामचंद्र गुप्ता और अरुण कुमार ने कहा कि समाज की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को सहेजना हम सभी की जिम्मेदारी है। वहीं सभा के अध्यक्ष अतुल गुप्ता ने कहा कि होली मिलन जैसे कार्यक्रम समाज के लोगों को एक

मंच पर लाकर आपसी संबंधों को मजबूत करते हैं और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से परिचित कराते हैं। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री मनीष गुप्ता, सुभाष गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान विकास, संजय, राजेंद्र गुप्ता, पीयूष गुप्ता, अजय गुप्ता, सुधीर, अनूप, मनोज , नवरतन लाल गुप्ता और प्रशांत गुप्ता ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। महिला सभा की अध्यक्ष रानी गुप्ता, पिंकी गुप्ता,लता, प्रीति और शिवा ने बताया कि समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी विशेष प्रस्तुति हुई।इसमें गायन, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए कार्यक्रमों ने सभी का दिल जीत लिया और उन्हें पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। समारोह के दौरान समाज के वरिष्ठजनों और विशेष सहयोगकताओं को भी सम्मानित किया गया। इसके साथ ही फूलों की होली खेलकर सभी ने इस पर्व का आनंद लिया, जिससे पूरा वातावरण रंगों और खुशियों से सराबोर हो गया। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष अतुल गुप्ता ने सभी अतिथियों और समाज के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी सौहार्द, सहयोग और एकता की भावना को और अधिक मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी को होली की शुभकामनाएं दीं और भविष्य में भी इसी तरह समाज को जोड़ने वाले कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

आर्किटेक्ट्स के लिए स्पेशलाइज्ड कार्यक्रम की घोषणा

लखनऊ,17 मार्च 2026ः जैसे–जैसे शहरों का विस्तार हो रहा है और पर्यावरणीय चुनौतियाँ अधिक गंभीर होती जा रही हैं, आज के आर्किटेक्ट्स को केवल इमारतों के डिजाइन से आगे की क्षमताओं की आवश्यकता है। उन्हें सांस्कृतिक विरासत की रक्षा, परिदृश्य प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशील प्रतिक्रिया देने की समझ भी विकसित करनी होगी। इन चुनौतियों के लिए छात्रों को तैयार करने हेतु, सीईपीटी युनिवर्सिटी के फैकल्टी ओएफ आर्किटेक्चर में दो विशेषीकृत स्नातकोत्तर कार्यक्रम शामिल हैं — मास्टर्स इन कंजर्वेशन एंड रीजेनेरेशन (MCR) और मास्टर्स इन लैंडस्केप आर्किटेक्चर (MLA) — जो आर्किटेक्ट्स के लिए करियर के दायरे को विस्तृत करते हैं।

ये दोनों कार्यक्रम के आवेदन की अंतिम तिथिः 31 मार्च, 2026 है।

यह कार्यक्रम उन छात्रों के लिए तैयार किया गया है जिन्हें इतिहास, तकनीक, वास्तुकला और शहरी डिजाइन के संगम में रुचि है। यह उन्हें

संरक्षण के बढ़ते क्षेत्र में काम करने के लिए तैयार करता है। इसका पाठ्यक्रम उद्योग और सरकार द्वारा ऐतिहासिक परिवेशों के संरक्षण और उन्नयन में किए जा रहे बढ़ते निवेशों के साथ जुड़ा हुआ है।

ऐतिहासिक इलाकों के संरक्षण और पुनर्स्थापन में अधिक निवेश कर रहे हैं, वैसे संरक्षण और पुनर्जीवन की समझ रखने वाले पेशेवरों की मांग भी पूरे देश में बढ़ रही है।

मास्टर्स इन लैंडस्केप आर्किटेक्चर (टछअ)ः यह एम.आर्क कार्यक्रम लैंडस्केप, पारिस्थितिकी और समाज के संगम पर काम करने वाले पेशेवरों को तैयार करता है।

उएढळ में पोस्टग्रेजुएट शिक्षा केवल स्नातक कार्यक्रम का विस्तार नहीं है। यह सोच–समझकर की जाने वाली विशेषज्ञता का एक मंच है। यहाँ स्टूडियो प्रयोगशालाओं की तरह कार्य करते हैं—ऐसी जगहें जहाँ वास्तविक दुनिया की चुनौतियों पर रचनात्मक अन्वेषण किया जाता है। छोटे ग्रुप्स में छात्र विशेषज्ञ शिक्षकों के साथ मिलकर विचार विकसित करते हैं, प्रोटोटाइप का परीक्षण करते हैं और निरंतर संवाद व आलोचनात्मक समीक्षा के माध्यम से अपने दृष्टिकोण को परिष्कृत करते हैं। सेमेस्टर, तथा समर और विंटर स्कूल्स में फैला पाठ्यक्रम निर्मित पर्यावरण के क्षेत्र में व्यापक अन्वेषण के अवसर प्रदान करता है। छात्रों को वर्कशॉप, सॉफ्टवेयर, लाइब्रेरी, आर्काइव्स, मटेरियल लैब्स तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पेशेवरों के विस्तृत नेटवर्क जैसे संसाधनों तक पहुँच प्राप्त होती है।

कार्यक्रमों के लिए आवेदन वर्तमान में खुले हैं, प्रवेश प्रक्रिया के बारे में अधिक जानकारी के लिए www.cept.ac.in पर जाएँ

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

आईजी स्तर के आईपीएस अधिकारी अरुण मोहन और नीरू गर्ग, जिनके केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर छिड़ा विवाद

(जीएनएस)।

उत्तराखंड में आईजी स्तर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अरुण मोहन और नीरू गर्ग के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर डीआईजी पद पर भेजने का मामला सुर्खियों में बना हुआ है। इस मामले में हाईकोर्ट ने भी सख्त रुख अपनाया हुआ है।

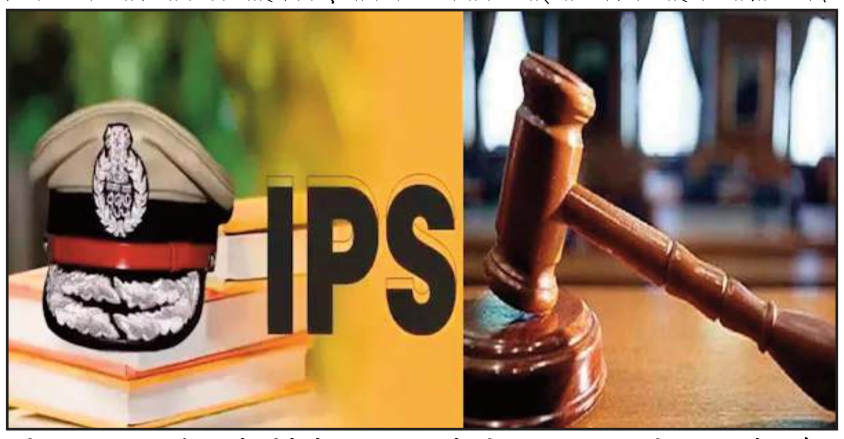

हाईकोर्ट ने यह स्पष्ट करने के लिए कहा है कि इन अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की मांग केंद्र सरकार ने की थी या राज्य सरकार ने स्वयं यह पहल की। अदालत ने राज्य और केंद्र सरकार से शपथपत्र देने के लिए कहा है। मामले की सुनवाई बृहस्पतिवार को होगी।

उत्तराखंड के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को बगैर उनके आवेदन के और अनिच्छा जाहिर किए जाने के बावजूद वर्तमान से नीचे के पद पर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर भेजे जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। आईजी स्तर की अधिकारी नीरू गर्ग को भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) में डीआईजी पद पर जबकि आईजी अरुण मोहन जोशी को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में डीआईजी के पद पर तैनात किया गया था।

अधिकारियों ने कहा था कि उन्होंने केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए आवेदन नहीं किया था। वे आईजी के पद पर हैं और उन्हें जबरन नीचे के डीआईजी पद पर भेजा जा रहा है। राज्य सरकार ने ही पहल करते हुए 16 फरवरी 2026 को इनके नाम गृह मंत्रालय को भेज दिए और केंद्र ने प्रतिनियुक्ति पर उनकी तैनाती तय कर दी।

केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से आइपीएस अरुण मोहन जोशी, नीरू गर्ग व मुख्तार मोहसिन की केंद्र में प्रतिनियुक्ति के आदेश जारी किए थे। आइपीएस नीरु 2005 बैच की है और तीन अक्टूबर 2022 को आइजी बनी थी। चार फरवरी को उनकी ब्यूरो आफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट में डीआइजी पद पर प्रतिनियुक्ति के आदेश हुए थे। चार जनवरी को ही पहले राज्य सरकार की ओर से अरुण मोहन जोशी को डेपुटेशन पर भेजने का आदेश जारी किया गया, फिर उसी दिन आदेश वापस ले लिया गया।

अरुण को डीआइजी बीएसएफ बनाया गया था। तीन फरवरी को उन्हें अगले पांच साल के लिए केंद्रीय प्रतिनियुक्ति की सूची से बाहर कर दिया। अधिकारियों का कहना था कि जब उनका नाम केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से बाहर कर दिया था फिर उनका डिमोशन क्यों कर दिया गया। जबकि 2006 बैच के अरुण भी अक्टूबर 2022 में ही आइजी बने थे। अब दोनों अधिकारी कोर्ट की शरण में है।

आईपीएस अफसर अरुण मोहन जोशी उत्तराखंड नहीं बल्कि देश के सबसे युवा आईजी हैं। वह 40 साल की उम्र में आईजी बने हैं। जो कि एक रिकॉर्ड है। 2006 बैच के कद्दावर अफसर अरुण मोहन जोशी उत्तराखंड के चकराता के रहने वाले हैं। वह साल 2006 में सबसे कम उम्र (23 वर्ष) में आईपीएस अफसर बने थे। अरुण मोहन जोशी ने आईआईटी रुड़की से इंजीनियरिंग की है।

हिन्दू नववर्ष मेला आज : नवसंवत्सर 2083 के स्वागत की तैयारियां हुईं पूर्ण

मथुरा (जीएनएस)। नववर्ष मेला समिति के तत्वावधान में नव संवतसर की पूर्व संध्या पर विशाल नववर्ष मेला आज (बुधवार) को दोपहर 1 बजे से सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज मैदान पर भूमि पूजन और हवन के साथ प्रारंभ होगा। नववर्ष समारोह के लिए मेला स्थल को सजाने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। समिति द्वारा नवसंवत्सर 2083 के स्वागत की तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। सांस्कृतिक संध्या में सांय 6:30 बजे आयोजित नववर्ष समारोह के मुख्य अतिथि डीआईजी आगरा रेंज शैलेश पांडेय होंगे। मेले का मुख्य आकर्षण अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि, चित्रकार, गायक, प्रखर वक्ता एवं राष्ट्रप्रेमी कलाकार बाबा सत्यनारायण मौर्य की अद्भुत मंचीय प्रस्तुति "एक शाम राष्ट्र के नाम" होगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने बताया कि मेले की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वहीं मीडिया प्रभारी मुकेश शर्मा ने बताया कि मेला स्थल पर सांय 4:30 बजे से रंगोली, रूप सज्जा, सामूहिक एवं एकल नृत्य प्रतियोगिता होंगी।

मेला रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में नववर्ष मेला समिति की स्मारिका "नव-प्रवाह" का विमोचन भी किया जाएगा। बताया कि विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार मंच पर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज जूनियर और सीनियर वर्ग में कृष्णचन्द्र गांधी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सामान्य ज्ञान और निबंध प्रतियोगिताएं कराई गईं, जिसमें सैंकड़ों बच्चों ने भाग लिया। नववर्ष मेला समिति ने ब्रजवासियों से नववर्ष समारोह में सपरिवार अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का आग्रह किया है। बताया कि मेले में सभी का प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

आज निकलेगी मां वैष्णो देवी की भव्य शोभायात्रा : 10 दिवसीय मेले का आज होगा शुभारंभ

मथुरा (जीएनएस)। महानगर में एटीवी कंपनी के पीछे नरहौली स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर पर विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 44-वां 10 दिवसीय विशाल मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले के मुख्य आयोजन में 18 मार्च को 251 कलशों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसी के साथ प्रतिदिन संध्या काल में आरती के पश्चात भक्तजनों द्वारा लंगूरिया एवं माता के भजनों का आयोजन होगा। कलश यात्रा से अगले दिन 19 मार्च से 27 मार्च तक नवचंडी महायज्ञ एवं रामचरितमानस पाठ का आयोजन किया जाएगा, जिसका संचालन आचार्य दयानंद जी भारद्वाज करेंगे तथा 20 मार्च से 26 मार्च तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होगा, जिसके प्रवचन प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6:30 बजे तक होंगे। कथा के प्रवक्ता आचार्य खेमचंद्र जी भारद्वाज (अडूकी वाले) होंगे। इसीक्रम में 26 मार्च की रात्रि में रात 9 बजे से भगवती मां वैष्णो देवी का विशाल जागरण आयोजित किया जाएगा, जिसका आयोजन माता वैष्णो देवी भक्ति मंडल, प्रदीप गौतम द्वारा किया जाएगा और 27 मार्च की सुबह 11:30 बजे नवचंडी महायज्ञ की पूर्णाहुति होगी। इसके पश्चात कन्या एवं साधु प्रसादी के साथ दोपहर 12:30 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जो शाम 6 बजे तक चलेगा तथा 27 मार्च को संध्या आरती के उपरांत रात 8:30 बजे से भव्य आतिशबाजी का आयोजन किया जाएगा। इसी के साथ 10 दिवसीय मेले का समापन हो जाएगा। इस समस्त महोत्सव की जानकारी मंदिर सेवायत विकास गौतम द्वारा दी गई है। वहीं मंदिर मेला समिति के अध्यक्ष बीएल गौतम ने भक्तों से मेले में आकर अपने जीवन को सफल बनाने की अपील की है तथा कलश शोभायात्रा में माता-बहनों से कीमती सामान (जेवरात) की स्वयं रखवाली करने की भी अपील की है।

सब्जी मंडी में शॉर्ट सर्किट से लगी ट्रांस्फॉर्मर में भीषण आग : आग में सब्जी समेत अन्य सामान जलकर हुआ खाक

मथुरा (जीएनएस)। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित सब्जी मंडी में अस्थाई प्लेटफार्म के पास लगे विद्युत ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। देखते ही देखते कुछ ही समय में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इस दौरान आग ने आधा दर्जन से अधिक फर्म, आढ़तों पर बड़ी संख्या में बोरो में रखी सब्जी को अपनी चपेट में लिया। यह हादसा मंगलवार शाम करीब 4 बजे हुआ। विकराल आग में किसानो की वह सब्जी स्वाहा हो गई जो मंगलवार सुबह आढ़तियों को बेचकर गए थे। सब्जी मंडी में आग लगने की सूचना

मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत करके आग पर काबू पाया। दूसरी ओर सूचना मिलने पर हाईवे पुलिस, मंडी चौकी प्रभारी चन्द्रवीर सिंह और मंडी सचिव भी तुरंत मौके पर पहुंच गए। भीषण आग लगने से आढ़तों पर रखा लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। इस बीच यह गनीमत रही कि आग की चपेट में आने से सभी लोग बच गए। मौके पर पहुंची मंडी समिति की सचिव रेनू वर्मा ने बताया कि प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आग लगने का कारण ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट लग रहा है। कहा कि हाईवे पुलिस और मंडी प्रशासन द्वारा हादसे की जांच की जा रही है।

ग्राम शिवपुरी में विकास कार्यों की खुली पोल, गंदे पानी से लबालब मुख्य मार्ग

खखरेरू/फतेहपुर विजयीपुर विकासखंड के ग्राम सभा शिवपुरी में विकास कार्यों की जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। गांव की मुख्य गलियां गंदे पानी से पट चुकी हैं, जिससे ग्रामीणों का आवागमन दूभर हो गया है।

गांव में जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण घरों से निकलने वाला गंदा पानी सड़कों पर जमा हो रहा है। मुख्य मार्ग पर बनी आरसीसी नालियां सफाई के अभाव में लगभग खत्म हो चुकी हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें रोजाना इसी गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को हो रही है, जो इसी रास्ते से गुजरते समय फिसलकर चोटिल हो जाते हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि ग्राम प्रधान का कार्यकाल पूरा होने को है, लेकिन जलभराव जैसी मूलभूत समस्या का समाधान अब तक नहीं हो सका है। मार्च महीने में ही जब यह हाल है, तो बारिश के दौरान स्थिति कितनी भयावह होगी, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।

इस संबंध में खंड विकास अधिकारी विजयीपुर से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि जांच करके आवश्यक कार्रवाईकिया जाएगा

पीडीए आंदोलन के माध्यम से मान्यवर कांशीराम के सपनों को साकार करेंगे अखिलेश यादव - मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर। 15 मार्च को जौनपुर शहर के कटघरा स्थित पीडीए भवन में बहुजन नायक, सामाजिक न्याय के महान योद्धा और बहुजन आंदोलन के प्रणेता मान्यवर कांशीराम जी की जयंती अत्यंत श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकताओं, युवाओं और आम जनता ने भाग लेकर कांशीराम जी के मिशन को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, मान्यवर कांशीराम विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने अपने संबोधन में कहा कि मान्यवर कांशीराम जी ने बहुजन समाज को राजनीतिक चेतना देने का ऐतिहासिक कार्य किया। उन्होंने शोषित, वंचित और पिछड़े समाज को संगठित कर सामाजिक न्याय की मजबूत नींव रखी।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि उन्हें कांशीराम जी के साथ लंबे समय तक काम करने और उनसे सीखने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि 'कांशीराम जी केवल एक नेता नहीं थे, बल्कि वे एक विचारधारा, एक आंदोलन और सामाजिक परिवर्तन के महान मार्गदर्शक थे। उनसे हमें संघर्ष, संगठन और समाज के लिए समर्पण की प्रेरणा मिली। वे मेरे राजनीतिक गुरु रहे हैं।'

उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन के महत्वपूर्ण अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि वर्ष 1988 में बहुजन समाज पार्टी से शाहगंज नगर पालिका चेयरमैन पद का चुनाव उन्होंने लड़ा। वर्ष 1991 में मान्यवर कांशीराम जी ने उन्हें जौनपुर सदर से लोकसभा का चुनाव लड़ाया, जिसमें उन्हें लगभग 69 हजार वोट प्राप्त हुए। इसके बाद 1993 में समाजवादी पार्टी और बसपा के ऐतिहासिक गठबंधन में बसपा के टिकट पर उन्होंने जौनपुर सदर से चुनाव लड़ा और भारी बहुमत से जीत दर्ज कर इतिहास बनाया।

उन्होंने आगे बताया कि जनवरी 1994 में कांशीराम जी ने उन्हें बहुजन समाज पार्टी का राष्ट्रीय सचिव और महाराष्ट्र का प्रभारी नियुक्त किया, जो उनके लिए गर्व और जिम्मेदारी दोनों का विषय था।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि आज के दौर में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में चल रहा पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) आंदोलन दरअसल कांशीराम जी के सामाजिक न्याय और बहुजन सशक्तिकरण के सपनों को आगे बढ़ाने का मजबूत माध्यम है। यह आंदोलन देश के वंचित और शोषित वर्गों को एकजुट कर उनके अधिकारों की लड़ाई को नई दिशा दे रहा है।

उन्होंने कहा कि 'कांशीराम जैसे महान व्यक्तित्व सदियों में पैदा होते हैं। उन्होंने जिस सामाजिक परिवर्तन का सपना देखा था, उसे साकार करना हम सबकी ऐतिहासिक जिम्मेदारी है।'

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने यह संकल्प लिया कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में पीडीए आंदोलन को मजबूत करते हुए कांशीराम जी के सपनों का समाज और कांशीराम जी के सपनों का भारत बनाने के लिए संघर्ष जारी रखा जाएगा।

अंत में मान्यवर कांशीराम जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई और उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया गया।

जारीकर्ताः कार्यक्रम का संचालन संदीप मौर्य प्रदेश सचिव समाजवादी मजदूर सभा उत्तर प्रदेश ने किया।

जीएलए के छात्र रौनक उपमन्यु ने दिल्ली आईआईटी में लगातार पांचवी बार दर्ज की जीत

जीएलए विश्वविद्यालय विधि संस्थान के छात्र रौनक उपमन्यु ने 528 डिबेट में लिया भाग

मथुरा (जीएनएस)। जीएलए विश्वविद्यालय के विधि संकाय के अंतिम वर्ष के प्रतिभाशाली छात्र रौनक उपमन्यु ने राष्ट्रीय स्तर पर जीएलए की श्रेष्ठ विधि शिक्षा, प्रशिक्षण और शैक्षणिक गुणवत्ता की ऐसी छाप छोड़ी है, जो एक मिसाल बन गई है। छात्र रौनक ने अभी तक देशभर के प्रतिष्ठित आईआईटी दिल्ली में 5-वीं बार लगातार एमयूएन जीत कर श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। विदित रहे कि इसी सप्ताह रौनक ने दिल्ली विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज में भी युवा संसद को जीतकर ब्रज का नाम रोशन किया है तथा आईआईएम और शीर्ष विश्वविद्यालयों में आयोजित 528 बहस प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है। इनमें वह 218 प्रमुख डिबेट प्रतियोगिताओं में जज भी रहे तथा 15 प्रतियोगिताओं को खुद रौनक उपमन्यु ने ऑर्गेनाइजेशन किया और सैकड़ो प्रतियोगिताओं में बहस करते हुए 267 बार प्रथम स्थान हांसिल कर वह देश के पहले ऐसे छात्र-डिबेटर बन गए हैं, जिन्होंने इतनी बड़ी संख्या में शीर्ष स्थान प्राप्त करते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। यह उपलब्धि न केवल जीएलए विश्वविद्यालय, बल्कि संपूर्ण ब्रज क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। रौनक ने 295 प्रतियोगिताओं में भाग लेकर 267 में प्रथम पुरस्कार जीतकर यह सिद्ध कर दिया कि कठिन परिश्रम, तर्कशक्ति और वक्तृत्व कौशल का समन्वय सफलता का वास्तविक आधार है। रौनक उपमन्यु ने देश की कई राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका भी निभाई। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज में आयोजित एक प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर उन्हें पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग ठाकुर ने शील्ड प्रदान करके सम्मानित किया। इसके अलावा इंदौर इंस्टिट्यूट ऑफ लॉ, आईआईटी दिल्ली तथा इंडियन नेशनल कांग्रेस द्वारा आयोजित युवा संसद प्रतियोगिता में भी वह प्रथम स्थान पर रहे, जहां उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, वरिष्ठ नेता रणदीप सुरजेवाला और सांसद राजीव शुक्ला द्वारा सम्मानित किया गया। इस वर्ष रौनक ने दिल्ली आईआईटी संस्थान , इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अगरतला जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय), एमिटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, दौलत राम कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय), स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय), यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (दिल्ली विश्वविद्यालय), पंजाब विश्वविद्यालय में एबीवीपी के अध्यक्ष गौरव वीर सोहल ने श्री उपमन्यु को विजेता शील्ड प्रदान की। रौनक ने दो महीने में 13 प्रथम पुरस्कार जीतकर अपनी असाधारण दक्षता सिद्ध की है। इन प्रतियोगिताओं में जीएलए विधि के छात्र की इस उपलब्धि से यह स्पष्ट होता है कि जीएलए विश्वविद्यालय का विधि संकाय न केवल पाठ्यक्रम-आधारित शिक्षा देता है, बल्कि विद्यार्थियों में विश्लेषण क्षमता, तार्किक सोच, बहस-कौशल, संविधानिक समझ और न्यायिक दृष्टि विकसित करने पर विशेष ध्यान देता है। विश्वविद्यालय में नियमित मूट कोर्ट, शोध-आधारित विधि अध्ययन, व्यावहारिक प्रैक्टिस सत्र तथा अनुभवी प्राध्यापकों के मार्गदर्शन ने रौनक जैसे छात्रों को राष्ट्रीय स्तर पर चमकने की मजबूत नींव दी है। जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने बधाई देते हुए कहा कि रौनक उपमन्यु ने अपने कठिन परिश्रम, आत्मविश्वास और अद्भुत वक्तृत्व कौशल से न केवल जीएलए विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है, बल्कि ब्रजभूमि को भी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि जीएलए की उच्च गुणवत्ता वाली विधि शिक्षा और समर्पित संकाय विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करता है तथा रौनक की उपलब्धि इसका सशक्त प्रमाण है।

जीएलए विश्वविद्यालय विधि संकाय के छात्र रौनक उपमन्यु को शुभकामनाएं देते कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता। साथ हैं डीन प्रो. सोमेश धमीजा।

वहीं विधि संकाय के डीन प्रो. सोमेश धमीजा ने कहा कि छात्र रौनक की सफलता विधि शिक्षा, युवा संसद और डिबेटिंग परंपरा के लिए एक स्वर्णिम अध्याय है।

उन्होंने कहा कि जीएलए का अनुसंधान-आधारित शिक्षण, केस-स्टडी मॉडल, कानूनी विश्लेषण क्षमता और प्रायोगिक प्रशिक्षण छात्रों के राष्ट्रीय मंचों पर आगे बढ़ने में अत्यंत सहायक है। कहा कि रौनक का यह रिकॉर्ड पूरे छात्र समुदाय के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है। बता दें कि रौनक उपमन्यु, एनयूजेआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डा. कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट के सुपुत्र हैं।

आत्महत्या करने जा रही महिला से गैंगरेप करने वाले बदमाशों से हुई मुठभेड़ : पुलिस की गोली लगने से एक बदमाश हुआ लंगड़ा

मथुरा (जीएनएस)। थाना मांट क्षेत्र में सामूहिक बलात्कार करने वाले करने वाले फरार बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ में दबोच लिया। मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से एक शातिर लंगड़ा हो गया। बताते चलें कि थाना मांट क्षेत्र में विदित 14 मार्च को एक महिला घरेलू क्लेश के बाद गुस्से में यमुना में कूदकर आत्महत्या करने जा रही थी। उसी दौरान यमुना पोंटून पुल के पास दो लोगों ने उसे पकड़ने के बाद जबरन उसके साथ गैंगरेप किया था। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे। उसी समय से पुलिस टीम, फरार बदमाशों को पकड़ने के लिए दबिशें दे रही थी। इसी बीच थाना प्रभारी मांट जसवीर सिंह को मुखबिर

से सूचना मिली कि पीड़ित महिला के साथ जबरन गैंगरेप करके फरार चल रहे बदमाश, अर्रुआ खादर राधारानी अंडरपास से डांगौली की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर सुशील हाथरस वालों के प्लॉट में छिपे हुए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मांट जसवीर सिंह पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस टीम को देखते ही शातिर बदमाश राजकुमार पुत्र नंदकिशोर निवासी गांव बेगमपुर थाना मांट ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने जबावी कार्रवाई की तो शातिर बदमाश राजकुमार के पैर में गोली लग गई। पुलिस की गोली लगने से घायल हुए बदमाश को देखकर भागने का प्रयास कर रहे दुर्गेश पुत्र रुप किशोर निवासी गांव बेगमपुर थाना मांट को घेराबंदी करके पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस ने घायल बदमाश के कब्जे से 1 तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया। इसके बाद पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया है।

जनगणना 2027 हेतु फील्ड ट्रेनर्स का द्वितीय दिवस प्रशिक्षण सम्पन्न।

ब्यूरो रिपोर्ट-- स्नेहा जायसवाल

सोनभद्र । जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) के महामना मदन मोहन मालवीय सभागार में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत "मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना" कार्य हेतु चयनित फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दूसरे दिन प्रतिभागियों को डिजिटल जनगणना के तकनीकी पहलुओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई, इस अवसर पर जनपद के जिला सूचना विज्ञान अधिकारी निजामुद्दीन अंसारी, प्रियासा सिंह, मास्टर ट्रेनर डॉ. के.एन. उपाध्याय एवं सौरभ सिंह द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षकों ने एचएलओ मोबाइल ऐप की इंस्टॉलेशन प्रक्रिया, ऐप को प्रारंभ करने की विधि तथा चरणबद्ध तरीके से उसके उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण सत्र में "मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना" से संबंधित कुल 34 प्रश्नों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। प्रतिभागियों को प्रत्येक प्रश्न की बारीकियों को समझाते हुए सही एवं सटीक जानकारी संकलन की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। द्वितीय दिवस के प्रशिक्षण में प्रशिक्षुओं को डिजिटल प्रणाली के माध्यम से जनगणना कार्य को सुगम, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक तकनीकी दक्षता प्रदान की गयी साथ ही, प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें व्यावहारिक रूप से भी प्रशिक्षित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी जनगणना कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री योगी ने बताया, 'ट्रस्ट और टेक्नोलॉजी' से कैसे बदला उत्तर प्रदेश

(जीएनएस)।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि ट्रस्ट और टेक्नोलाजी के दो प्रमुख आधारों पर उत्तर प्रदेश में परिवर्तन आया है।

सोमवार को राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित नेशनल सिक्योरिटी एंड स्ट्रेटजिक स्टडी कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे भारतीय सशस्त्र बलों, विभिन्न देशों की सेनाओं और भारत सरकार की सिविल सेवाओं के वरिष्ठ अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने के साथ संवाद में सोमवार को मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में सुरक्षा एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन सरकार ने रूल आफ ला स्थापित करते हुए अवैध वसूली और अराजकता पर प्रभावी नियंत्रण किया। बेहतर कानून व्यवस्था के कारण निवेश और विकास को नई गति मिली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश की अर्थव्यवस्था तीन गुणा बढ़ी है और आज देश में सर्वाधिक हाईवे और एक्सप्रेसवे नेटवर्क उत्तर प्रदेश के पास है। यहां देश के लगभग 55 प्रतिशत एक्सप्रेसवे स्थित हैं। प्रदेश में डिफेंस इंडस्ट्रियल कारिडोर का तेजी से विकास हो रहा है। लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण इकाई स्थापित है। कानपुर नोड में भी बड़े निवेश आए हैं, जबकि

हरदोई में बेब्ले स्काट की उत्पादन इकाई है।

जेवर में देश का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा निर्माणाधीन है। कानून व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए प्रदेश के हर मंडल में साइबर फोरेंसिक लैब, प्रत्येक जिले में फोरेंसिक मोबाइल वैन तथा 75 साइबर थाने स्थापित किए गए हैं। लाभार्थियों योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि डीबीटी व्यवस्था के माध्यम से योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लाभार्थियों तक पहुंच रहा है।

उन्होंने अधिकारियों को डिफेंस कारिडोर का दौरा करने के लिए भी आमंत्रित किया। संवाद के दौरान अधिकारियों ने कई बार नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन न होने पाने का प्रश्न किया।

इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं की नियमित मानिटरिंग, फील्ड विजिट और जवाबदेही तय करने से ही परिणाम प्राप्त होते हैं। अपनी विदेश यात्राओं का अनुभव साझा करते हुए बताया कि जापान का सिविक सेंस, स्वच्छता और अनुशासन अत्यंत अनुकरणीय है। वहां के उद्योग जगत ने उत्तर प्रदेश में बड़े निवेश की रुचि व्यक्त की है।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय, नई दिल्ली के कमांडेंट एयर मार्शल मनीष कुमार गुप्ता कर रहे थे। दल ब्रिगेडियर समीर मेहरोत्रा, परिमल सिन्हा, ब्रिगेडियर विपुल सिंह राजपूत, कमोडोर जेएमबीएसबी जयवीरा (श्रीलंका नौसेना), ब्रिगेडियर भारत भूषण, कर्नल जावख्लानबयार डोंडोगदोरज (मंगोलिया), कमोडोर शरद सिन्सुनवाल, कर्नल इब्राहिम नईम (मालदीव नौसेना), ब्रिगेडियर सूर्यवीर सिंह राजवी, ब्रिगेडियर सुमीत अबरोल, संजय जोसेफ, ब्रिगेडियर मुरली मोहन विरुपसमुद्रम लक्ष्मिसा, कर्नल होवहानेस खानवेल्यान (आर्मेनियन एयर फोर्स), एयर कमोडोर मंटिना सुब्बा राजू, एयर कमोडोर फेलिक्स पैट्रिक पिंटो तथा कर्नल ईबी गुस्तावो मोरेइरो मैथियास (ब्राजील) शामिल थे।

वहीं, प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से भी जन भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों, आंगनबाड़ी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, टीबी उन्मूलन व सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण जैसे जनस्वास्थ्य अभियानों के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रतिनिधि मंडल ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के साथ भी उनके सरकारी आवास पर संवाद किया।

मुसलमान को ज्यादा से ज्यादा अफ्तार का एहतमाम करना चाहिए- मुफ्ती अबुल इरफ़ान

इंडियन राहत फाउंडेशन ट्रस्ट के जेरे एहतमाम आजाद मोहाल कैंट सदर में रोजा इफ्ताऱ का एहतमाम किया गया जिसमें शहर के नाम चिन्ह हस्तियों ने शिरकत की।

लखनऊ- इंडियन राहत फाउंडेशन के अध्यक्ष इमरान खान उपाध्यक्ष जीशान खान, सचिव मो जुनैद अहमद ने तमाम मेहमानों का गुलदस्ता पेश कर खैर मखदम किया।इस अवसर पर अबुल इरफान मियां फिरंगी महंली काजी शहर लखनऊ ने अपने खिताब में फरमाया कि रोजा रखने वाले को इफ्ताऱ कराना बहुत सवाब का काम है। अल्लाह के रसूल ने फरमाया जो कोई रोजा रखने वाले को इफ्ताऱ कराएगा, उसे उस रोजा रखने वाले के बराबर सवाब मिलेगा, और रोजा रखने वाले के सवाब में कोई कमी भी नहीं होगी।

मुफ्ती अबुल इरफान मियां फिरंगी महली ने फरमाया कि रोजा गुनाहों को माफ कराता है, रोजा खुलवाने वाले को जन्नत में दाखिला मिलता है, रोजा खुलवाने से अल्लाह की रजा मिलती है और रोजा रखने का सवाब बढ़ता है। इसलिए हम सभी को अधिक से अधिक लोगों को इफ्ताऱ में दावत देने का प्रयास करना चाहिए और नियमित व्यवस्था करनी चाहिए ताकि अल्लाह को राजी करना आसान हो और रोजा रखने वाले सभी लोगों की दुआएं हासिल हो सकें।इमरान खान अध्यक्षइंडियन राहत फाउंडेशन ट्रस्ट ने अपने बयान में कहा कि प्रत्येक मुसलमान को अपनी क्षमता के अनुसार जनसेवा करनी चाहिए, जिससे उसे इस दुनिया और आखिरत में आसानी पैदा हो। इंडियन राहत फाउंडेशन लगभग तीन वर्षों से जनसेवा में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। मैं आप सभी से निवेदन करता हूं कि इसे अपनी दुआओं में याद रखें ताकि फाउंडेशन और अधिक मिल्ली खिदमात अंजाम दे सके।इफ्तार में विशेष रूप से शामिल होने वालों में इमाम ईदगाह मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली, शाह सबाहत हसन शाह सज्जादा नशीन दरगाह दादा मियां सदर , मौलाना अफ्फान अतीक फिरंगी महली महासचिव इदारा शरिया फिरंगी महल, अल्पसंख्यक मंत्री दानिश आजाद अंसारी, कुवर बासित अली अध्यक्ष अल्प संख्यक मोर्चा भाजपा, रवि दास मल्होत्रा विधायक समाजवादी पार्टी, सैय्यद फैजी भाजपा नेता, आमिल शम्सी भाजपा नेता, जुनैद अहमद, एडवोकेट आमिर रसूल, एडवोकेट फैजान फिरंगी महली मौजूद रहे।

समाज जागरूकता के संकल्प के साथ सात दिवसीय शिविर समाप्त

(जीएनएस)।

शक्तिनगर (सोनभद्र)। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर शक्तिनगर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम एवं तृतीय के तत्वाधान में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर (दिन- रात) दिनांक 17 मार्च 2026 को स्वयंसेवकों द्वारा समाज सेवा और जनजागरूकता के संकल्प के साथ समाप्त हुआ। समापन समारोह में स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर पारंपरिक गीत एवं नृत्य के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया। इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी डॉ० विनोद कुमार पाण्डेय द्वारा सात दिवसीय शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया और इस संबंध में स्वयंसेवकों के सुझावों को स्थानीय प्रशासन तक पहुंचाने का प्रस्ताव पेश किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० छोटे लाल प्रसाद द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के इस सात दिवसीय विशेष शिविर में सहयोग दे रहे प्रतिनिधियों के प्रति हार्दिक आभार प्रकट किया गया। इस दौरान शिविर में भाग ले रहे स्वयंसेव हिमांशु कुमार गुप्ता, अंजना पूर्ति, प्रभा सोंधिया और प्रिया कुमारी अग्रहरि को वेस्ट वॉलिंटियर सम्मान दिया गया। इसके साथ ही अन्य स्वयंसेवकों को भी विभिन्न गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। समारोह में समाजसेवी अभिषेक

द्विवेदी को भी सम्मानित किया गया। अभिषेक ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना की उक्त दोनों इकाइयां पिछले तीन वर्षों से चिल्काडांड ग्राम में जन जागरूकता के लिए अपना बहुमूल्य समय दे रही हैं और अब इसका प्रभाव भी देखने को मिल रहा है। कार्यक्रम में स्वयंसेविका अंजना पूर्ति ने भरतनाट्यम की प्रस्तुति से सभी का ध्यान आकर्षित किया वहीं कविता कुमारी ने पारंपरिक नृत्य के माध्यम से लोगों को जागरूकता का संदेश दिया। इसी क्रम में पूजा यादव, रूबी खातून, आशुतोष उपाध्याय, पंकज गुप्ता ने अपनी रचनाओं के माध्यम से सभी का दिल जीत लिया । डॉ० विनोद कुमार पाण्डेय ने सभी सहभागियों का स्वागत किया एवं डॉ० छोटे लाल प्रसाद ने धन्यवाद व्यापित किया। इस अवसर पर दोनों कार्यक्रम अधिकारियों ने चिल्काडांड के प्रधान हीरालाल जी के प्रति विशेष आभार प्रकट किया जिनके सहयोग के बिना 100 स्वयंसेवकों का यह विशेष शिविर सफल नहीं हो सकता था। शिविर का समापन राष्ट्रगान गायन के पश्चात हुआ।

श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर आशियाना की प्रबंधकारिणी समिति के चुनाव सम्पन्न

श्री दिगंबर जैन मंदिर आशियाना लखनऊ के अध्यक्ष बने चंद्र प्रकाश जैन

लखनऊ। श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर आशियाना की प्रबंधकारिणी समिति के चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए, जिसमें चंद्र प्रकाश जैन ने अध्यक्ष पद पर भारी मतों से विजय प्राप्त की है। चुनाव अधिकारी नलिन राज कासलीवाल, विपिन जैन एवं श्रीमती मनीषा जैन द्वारा घोषित परिणामों के अनुसार, पूरी प्रबंधकारिणी समिति का चयन लोकतांत्रिक तरीके से किया गया। नवगठित समिति के मुख्य

पदाधिकारियों का विवरण इस प्रकार है- अध्यक्ष - चंद्र प्रकाश जैन मंत्री - अजय जैन वरिष्ठ उपाध्यक्ष - मनोज कुमार जैन उपाध्यक्ष - अखिलेश जैन कोषाध्यक्ष - शरद कुमार जैन संयुक्त मंत्री - अनूप जैन नवनिर्वाचित अध्यक्ष चंद्र प्रकाश जैन ने कहा यह जीत केवल एक पद की प्राप्ति नहीं, बल्कि धर्म और सेवा के मार्ग पर चलने का अवसर है। हमारी प्राथमिकता मंदिर परिसर का सुंदरीकरण, भक्तों के लिए सुविधाओं में विस्तार और मंदिर के आय-व्यय में पूर्ण पारदर्शिता लाना होगी। नवनिर्वाचित समिति ने चुनाव प्रक्रिया में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया

बिहार में एनडीए की जीत पर भाजपा ने कहा, 'मोदी लहर' कायम

(जीएनएस)।

बिहार में राज्यसभा चुनाव के नतीजों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं ने इसे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की नीतियों और नेतृत्व पर जनता के भरोसे का परिणाम बताया है। नेताओं का कहना है कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास और सुशासन की स्वीकार्यता को दशार्ती है।

बांसुरी स्वराज ने दी बधाई

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को बधाई दी और कहा कि बिहार में क्लीन स्वीप जनता के भरोसे का संकेत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों पर देश का विश्वास इन परिणामों में साफ दिखाई देता है।

मनोज तिवारी बोले—जनता का भरोसा एनडीए पर

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने

कहा कि चुनाव में सभी ने अंतरात्मा की आवाज पर मतदान किया। उन्होंने कहा कि आज देश का भरोसा प्रधानमंत्री मोदी और एनडीए पर है और यही वजह है कि लगातार जीत मिल रही है।

मनजिंदर सिंह सिरसा का विपक्ष पर निशाना

दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि देश में एनडीए का क्लीन स्वीप जारी है। उन्होंने विपक्ष, खासकर राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि देश ने स्पष्ट कर दिया है कि विश्वास किस नेतृत्व में है।

आर.पी. सिंह ने परिणामों को बताया लोकतांत्रिक प्रक्रिया

भाजपा नेता आर.पी. सिंह ने कहा कि चुनाव में मतदान व्यक्तिगत अधिकार है। उन्होंने कहा कि अन्य दलों के विधायकों द्वारा एनडीए उम्मीदवारों को समर्थन देना राजनीतिक परिस्थिति का हिस्सा है।

रविंदर इंद्राज सिंह और आशीष सूद की प्रतिक्रिया

दिल्ली सरकार के मंत्री रविंदर इंद्राज सिंह ने कहा कि क्लीन स्वीप होना तय था, क्योंकि देश का विश्वास एनडीए के साथ है। वहीं मंत्री आशीष सूद ने कहा कि विभिन्न राज्यों में एनडीए की बढ़त सरकार की नीतियों और नेतृत्व की स्वीकार्यता को दशार्ती है।

रमजान हमें इंसानियत,सब्र और मोहब्बत का असली रास्ता दिखाता है:अरमान खान

अरमान खान के इफ्तार में उमड़ा जनसैलाब,दिखी गंगा-जमुनी तहजीब की झलक

रोजा इफ्तार बना सामाजिक सौहार्द का प्रतीक,लोगों ने की अमन शांति और खुशहाली की दुआ

लखनऊ।पाक माह-ए-रमजान की रौनक और बरकतों के बीच लखनऊ पश्चिम क्षेत्र में एक भव्य रोजा इफ्तार का आयोजन किया गया। चौपटिया पावर हाउस पार्क के सामने आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों रोजेदारों और स्थानीय नागरिकों ने एक साथ बैठकर रोजा खोला। आयोजन लखनऊ पश्चिम के लोकप्रिय विधायक अरमान खान की ओर से किया गया, जिसमें आपसी भाईचारे, मोहब्बत और गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरत झलक देखने को मिली।

इफ्तार के दौरान रोजेदारों के लिए खजूर, ताजे फल, शरबत, जूस और

अन्य लजीज व्यंजनों का विशेष इंतजाम किया गया था। जैसे ही मगरिब की अजान हुई, सभी रोजेदारों ने सामूहिक रूप से रोजा खोला और अल्लाह तआला का शुक्र अदा किया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे, जिससे पूरा माहौल आध्यात्मिकता और सौहार्द से सराबोर नजर आया।

विधायक अरमान खान ने अपने संबोधन में कहा कि रमजान का पाक महीना हमें सब्र, रहमत, मोहब्बत और इंसानियत का पैगाम देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी भाईचारे और सौहार्द को मजबूत करते हैं तथा लोगों के दिलों को आपस में जोड़ने का काम करते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि रमजान हमें यह भी सिखाता है कि हमें समाज के कमजोर और जरूरतमंद लोगों की मदद करनी चाहिए और इंसानियत के रास्ते पर चलना चाहिए।

इफ्तार के बाद देश की अखंडता, अमन-चैन, सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे को मजबूत बनाए रखने के लिए विशेष दुआ की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने मुल्क में अमन, तरक्की और खुशहाली की कामना की।

यह भव्य रोजा इफ्तार सामाजिक एकता और गंगा-जमुनी तहजीब की एक शानदार और प्रेरणादायक मिसाल बनकर सामने आया।

मरकज-ए-तालीम-ओ-तरबियत ट्रस्ट द्वारा आयोजित 'महदवी समाज' क्लासों का सफल समापन

रमजान के महीने की ये क्लासें सिर्फ एक प्रैक्टिस हैं ताकि पूरे साल इमाम-ए-जमाना (अ.स.) से जुड़ाव बना रहे मौलाना मोहम्मद मियां आबिदी

लखनऊ : मरकज-ए-तालीम-ओ-तरबियत ट्रस्ट की देखरेख में शहर भर में चल रही एक महीने की खास 'महदवी समाज' क्लासें खुदा के फजल (कृपा) से सफलतापूर्वक पूरी हो गई हैं। इन क्लासों में छात्र-छात्राओं और मोमिनों (श्रद्धालुओं) की बड़ी तादाद ने न सिर्फ हिस्सा लिया, बल्कि अपने ज्ञान और तरबियत (संस्कार) में बहुत इजाफा (बढ़ोतरी) भी किया।

इस सिलसिले में मौलाना सैयद मोहम्मद मियां आबिदी साहब ने स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए कहा कि हमने रमजान के इस बरकत वाले महीने में अपने आका और मौला इमाम-ए-जमाना (अ.स.) के लिए वक़्त निकाला और उनकी कृपा हासिल की। याद रहे कि यह काम

सिर्फ एक महीने के लिए नहीं है, बल्कि यह एक महीना तो सिर्फ एक प्रैक्टिस (अभ्यास) है, ताकि हम पूरे साल, हर पल अपने वक़्त के इमाम से जुड़े रह सकें और अल्लाह की बारगाह में उनके जरिए अपने सभी कामों में बेहतरी ला सकें।"

मौलाना ने आगे कहा कि ये क्लासें आज के वक़्त की बड़ी जरूरत हैं और लोगों की तरफ से मिलने वाला उत्साह इस बात की निशानी है कि आने वाले वक़्त में भी यह जोश और जज्बा बना रहेगा। बताते चलें कि ये क्लासें लखनऊ के अलग-अलग इलाकों में 18 से 19 सेंटर्स पर कामयाबी के साथ आयोजित की गईं इम्तिहान (परीक्षा) की जानकारी क्लासों में शामिल होने वाले सभी छात्र-छात्राओं का लिखित इम्तिहान 18 मार्च को उनके अपने-अपने सेंटर्स पर होगा। मैनेजमेंट के मुताबिकः

कर्बला दियानत-उद-दौलाः यहाँ इसके आस-पास के सभी सेंटर्स के स्टूडेंट्स का इम्तिहान लिया जाएगा।

छोटा इमामबाड़ाः यहाँ आस-पास के सेंटर्स का एक साथ (कंबाइंड) इम्तिहान होगा अन्य सेंटर्स इमामबाड़ा नाज़िम साहब (चौक), कर्बला निजाम-उद-दौला (अली कॉलोनी, ठाकुरगंज), रौजा इमाम अली (सरफराज गंज), चांद बाजी हाउस (सरफराज गंज) और वजीरगंज समेत बाकी सभी सेंटर्स पर इम्तिहान उनकी अपनी जगहों पर ही होंगे ट्रस्ट की तरफ से इसमें हिस्सा लेने वाले सभी लोगों को शुभकामनाएँ दी गई हैं।

'विकसित उत्तर प्रदेश का निमार्णः उद्योग को शक्ति, लोगों को सशक्तिकरण, समृद्धि की दिशा' विषय पर अपना राज्य वार्षिक सत्र 2025-26 एवं सम्मेलन

भारतीय उद्योग परिसंघ (CII), उत्तर प्रदेश ने 17 मार्च 2026 को लखनऊ में 'विकसित उत्तर प्रदेश का निमार्णः उद्योग को शक्ति, लोगों को सशक्तिकरण, समृद्धि की दिशा' विषय पर अपना राज्य वार्षिक सत्र 2025-26 एवं सम्मेलन आयोजित किया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, नीति-निमार्ता, उद्योग जगत के अग्रणी प्रतिनिधि तथा सदस्य शामिल हुए, जिन्होंने राज्य की विकास प्राथमिकताओं और विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण की दिशा पर विचार-विमर्श किया।

यह सत्र उद्योग और सरकार के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुआ, जिसमें उत्तर प्रदेश को भारत की अर्थव्यवस्था के प्रमुख विकास इंजन के रूप में सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया। उत्तर प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों ने राज्य के आर्थिक परिवर्तन के लिए आवश्यक प्रमुख क्षेत्रों और नीतिगत प्राथमिकताओं पर अपने विचार साझा किए।

ऊर्जा एवं पावर पर आयोजित सत्र में अपने संबोधन के दौरान श्री नरेंद्र भूषण, आईएएस, अपर मुख्य सचिव, ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा, उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य की स्वच्छ ऊर्जा दिशा में हुई उल्लेखनीय प्रगति को रेखांकित करते हुए बताया कि लक्षित हरित ऊर्जा क्षमता का लगभग 50% पहले ही प्राप्त किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश धीरे-धीरे एक अधिक टिकाऊ और विविध ऊर्जा मिश्रण की ओर अग्रसर है, जो राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन, व्यवसाय सुगमता और निजी

क्षेत्र की भागीदारी को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रहा है।

श्री आशीष कुमार गोयल, आईएएस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, यूपीपीसीएल ने कहा कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश में ऊर्जा की स्थिति स्थिर और पर्याप्त है तथा राज्य में बिजली की कोई बड़ी कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि सरकार वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने पर कार्य कर रही है, जिसमें दक्षता और उपभोक्ता अनुभव को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने उद्योग संगठनों, विशेष रूप से उक्क से ऊर्जा दक्षता के प्रति उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया और विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रति यूपीपीसीएल की प्रतिबद्धता दोहराई।

'उत्तर प्रदेशः एक औद्योगिक विकास इंजन' विषयक सत्र में श्री आलोक कुमार, आईएएस, प्रमुख सचिव, योजना एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन, उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य की बुनियादी ढांचा आधारित विकास और उभरते तकनीकी इकोसिस्टम के लिए दूरदर्शी योजना प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि लखनऊ को देश का पहला अकसिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे यह नवाचार, अनुसंधान और नई पीढ़ी के डिजिटल उद्यमों का केंद्र बनेगा। साथ ही, कानपुर को ड्रोन सिटी के रूप में विकसित करने की योजना है, जिससे उन्नत विनिर्माण, कौशल विकास और मानव रहित तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार सड़कों, एक्सप्रेसवे और राजमार्गों में निवेश कर बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रही है, ताकि बेहतर कनेक्टिविटी और वस्तुओं एवं लोगों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित की जा सके।

'विकसित उत्तर प्रदेश @ 2047: विजन से एक्शन तक' सत्र में श्री मनोज कुमार सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन ने वैश्विक आर्थिक प्रवृत्तियों का उल्लेख करते हुए भारतीय उद्योग से उन्नत विनिर्माण, हरित ऊर्जा, डिजिटल तकनीकों और नए युग की सेवाओं जैसे क्षेत्रों के साथ तालमेल बनाने का आ'ान किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए नीतिगत समर्थन, नवाचार आधारित इकोसिस्टम और संस्थागत सुधारों के माध्यम से स्वयं को सशक्त कर रहा है।

'उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का रूपांतरण' सत्र में श्री अमित कुमार घोष, आईएएस, अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा, उत्तर प्रदेश सरकार ने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि हाल के वर्षों में राज्य में अस्पतालों के पैनल में शामिल होने और सेवाओं के विस्तार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने स्वास्थ्य अवसंरचना, टेलीमेडिसिन और वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं वेलनेस केंद्रों के विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने पर जोर दिया और उक्क के साथ सहयोग को आमंत्रित किया।